पवित्र शास्त्र असल में क्या सिखाता है?

# उपासना जिसे परमेश्वर स्वीकार करता है (भाग 2)

*बाइबल असल में क्या सिखाती है?* के अध्याय 15 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

**मकसद: जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।**

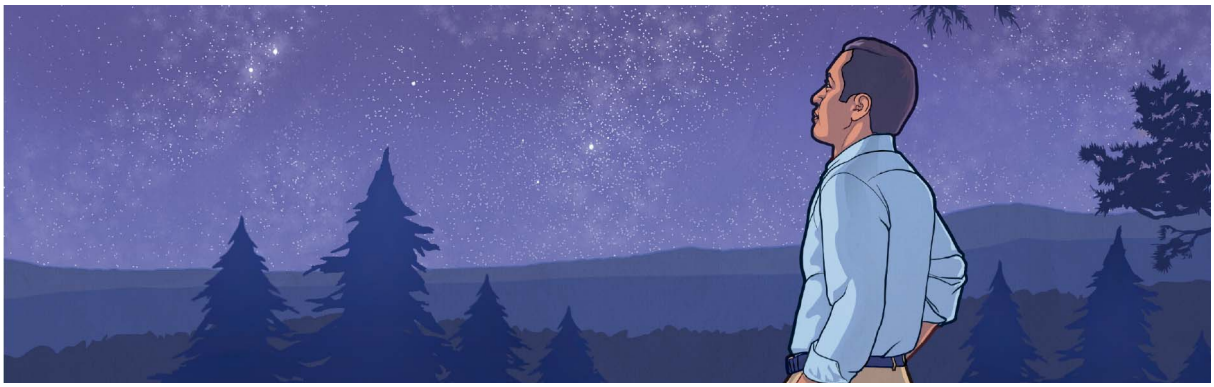

## क्या यह मानना काफी है कि एक परमेश्वर है?

### 1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

शायद कुछ लोग 'हाँ' कहें, पर क्यों?

_____

_____

शायद कुछ लोग 'न' कहें, पर क्यों?

_____

_____

***आप*** क्या मानते हैं?

_____

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

_____

_____



www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

## 2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

**हमें परमेश्वर की उपासना उसी तरह करनी चाहिए, जैसे वह चाहता है।**
(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 15 के पैराग्राफ 15-18 देखें।)

**याकूब 2:19 पढ़िए।**
इस आयत से कैसे पता चलता है कि सिर्फ यह मानना काफी नहीं कि एक परमेश्वर है?

**2 कुरिंथियों 6:17 पढ़िए।**
उपासना से जुड़ी जो बातें परमेश्वर को मंज़ूर नहीं, उनके बारे में हमें कौन-से कदम उठाने चाहिए, ताकि परमेश्वर हमसे खुश हो?

**परमेश्वर के लोगों के साथ मिलकर उसकी सेवा करने से बहुत-सी आशीषें मिलती हैं**


www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

## यहोवा के लोगों के साथ मिलकर उसकी सेवा करने पर अगर हमें कुछ त्याग करने पड़ें, तो हमें उससे कहीं ज़्यादा आशीषें मिलेंगी।

(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 15 के पैराग्राफ 19-20 देखें।)

**मरकुस 10:28-30 पढ़िए।**

यीशु के मुताबिक उसके शिष्य आज और भविष्य में कौन-सी आशीषें पाएँगे?

**2 पतरस 3:9, 13 पढ़िए।**

उपासना के मामले में जो काम परमेश्वर को मंज़ूर हैं, वे काम करना समझदारी क्यों होगी?

परमेश्वर के लोगों के साथ मिलकर उपासना करने से आपको क्या फायदे हुए हैं?



www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

## 3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

**यही मानना काफी है कि एक परमेश्वर है।**

आप कह सकते हैं . . .

**हाँ, मैं भी इस बात से सहमत हूँ कि यह मानना बहुत ज़रूरी है कि एक परमेश्वर है। लेकिन मैं सोचता हूँ कि इस मामले में हमें और भी कुछ करना चाहिए, क्योंकि. . .**

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

अगर कोई कहे . . .

**परमेश्वर को खुश करने के लिए किसी संगठन या धर्म से जुड़ना ज़रूरी नहीं है।**

आप कह सकते हैं . . .

**बहुत-से लोग शायद यही कहेंगे। लेकिन मेरा मानना थोड़ा अलग है, क्योंकि. . .**

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____



www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania